



# गांडू की मम्मी की चूत भी चोदी

“मैंने एक लड़के को अपनी दूकान के काम के लिए रख लिया. फिर मुझे पता लगा कि वो गांडू है. उसने कैसे मुझसे गांड मरवाई और कैसे मैंने उसकी मम्मी को चोदा ? पढ़ें ! ...”

**Story By: (rasoolkhan)**

**Posted: Tuesday, February 12th, 2019**

**Categories: [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)**

**Online version: [गांडू की मम्मी की चूत भी चोदी](#)**

# गांडू की मम्मी की चूत भी चोदी

दोस्तो, मैं आपका दोस्त रसूल खान !

मेरी ज़िंदगी में बहुत सी औरतें आई हैं, बहुत सी लड़कियां आई हैं। क्योंकि मैं सोचता हूँ कि मैं एक मगरमच्छ हूँ, जो भी इसके जबड़े में फंस गया, उसको ये खा जाता है। वैसे मैंने भी कभी भी किसी भी औरत या लड़की को जाने नहीं दिया, जो भी मेरे जबड़े में फंसी। मेरे लिए उम्र कोई माने नहीं रखती, मुझे सिर्फ और सिर्फ फुद्दी दिखती है। लड़की कैसी भी हो, बस अगर वो ब्रा पहनती है, तो मेरे काम की है।

इसलिए हर उम्र की मादा को मैंने भोगा है, चोदा है। अगर किसी वजह से चोद नहीं पाया तो उसके बदन को सहलाया तो ज़रूर है। सिर्फ अपनी दुकान पर आने वाली लड़कियां और औरतें ही नहीं, अपनी रिश्तेदारी, आस पड़ोस, दोस्ती यारी में भी, जो भी ज़रा सी मेरी तरफ झुकी, उसको मैंने लेटा लिया।

अब मैं कोई बहुत ही शानदार शकलों सूरत या जिस्म का मालिक तो नहीं हूँ, आप जैसा ही साधारण सा इंसान हूँ। मगर अला-ताला ने पता नहीं क्या लिख कर भेजा है मेरी किस्मत में कि औरतें अपने आप आकर मुझ से पंगा लेती हैं और फिर साली चुद कर ही जाती हैं।

अब एक तो मेरी दर्जी की दुकान, साथ में कॉस्मेटिक्स और ब्रा पेंटी का काम। तो मेरी दुकान में हर वक्त औरतों की भीड़ ही लगी रहती है। और इन्हीं में से कोई न कोई, खुद अपने आप इशारों इशारों में बता देती है कि उसे क्या चाहिए।

आप यकीन नहीं करेंगे लेकिन यह सच है कि एक बार मैंने दुकान में काम करते हुये काउंटर के नीचे एक औरत को बैठा कर लंड चुसवाया है। वैसे थी वो करीब 55 साल की ... मगर मेरे से भाईजान भाईजान करके बहुत मस्ती करती थी।

एक बार ब्रा दिखाते हुये मैंने उसके दोनों मम्मे पकड़ कर दबा दिये ।  
बस वो तो इतने में मर मिटी, बोली- रसूल भाईजान, इतने से दिल नहीं भरता ।  
मैंने धीरे से कहा- तो चूस लोगी क्या ?  
वो बोली- हाँ, तुम बताओ ।

मैंने उसे काउंटर के अंदर बुलाया और नीचे को अंदर घुसा कर बैठा दिया, अपना स्टूल बिलकुल काउंटर के साथ चिपका लिया । उसने खुद मेरी पैन्ट की ज़िप खोली, लंड निकाला और चूसा । मैं ऊपर बैठा, औरतों को सामान दिखा रहा हूँ । किसी को पता नहीं चला कि रसूल भाईजान आज इतने अजीब से क्यों लग रहे हैं । उनको क्या पता जब नीचे कोई औरत आपका लंड चूस रही हो, तो आपकी क्या हालत होती है । आप नॉर्मल दिखने के चक्कर में अबनोरमल बर्ताव करते हैं ।

जब मेरा पानी निकला तो वो सारा पी गई । अच्छे से चाट कर लंड साफ किया और फिर पैन्ट में डाल कर ज़िप बंद की । फिर जब ग्राहकी कम हुई, तो मैंने उसे चुपके से निकाल कर विदा किया । उसके बाद आज तक वो मेरी माशूक है, कई बार उसके घर जाकर उसकी मारी है । उसकी बहू पर भी मेरी नज़र है, वो भी मुझसे नज़रें मिलाती है, मगर अभी तक पटी नहीं मुझसे ।

खैर अब आगे की बात करते हैं ।

जब आपको मारने के लिया भरपूर फुद्दी मिले तो फिर आप सोचते हैं कि यार फुद्दी तो बहुत मार ली, अब और कुछ किया जाए । अब और कुछ में क्या आता है । फुद्दी के बाद आती है गांड । तो पहले तो मैंने अपनी बीवी ज़रीना की ही गांड मारी । ये भारी गोल गांड ... छोटा सा छेद । मगर तने हुये लंड के आगे क्या है ... रुला रुला मारी साली की ।

बीवी की मार ली तो उसके बाद और भी कई औरतों की मारी । अब इस सब में मज़ा आने

लगा ; जिस किसी की भी फुट्टी मारता, गांड भी मारने की कोशिश करता। कुछ तो मरवा लेती, कोई कोई मना भी कर देती।

एक दिन मैं एक विडियो देख रहा था जिसमें एक आदमी एक लड़के की गांड मार रहा था। वैसे ही दिल में ख्याल आया कि यार औरतों की तो बहुत मारी है, कभी किसी लड़के की गांड नहीं मारी। क्या इस में भी मज़ा आता होगा। सोचा कि चलो अगर कोई मौका मिला तो देख लेंगे।

कुछ वक़्त बीता, एक बार मैं अपनी दुकान का सामान लेकर आ रहा था तो रास्ते में एक लड़के ने लिफ्ट मांगी। अब मेरे स्कूटर पर सामान तो था, मगर पीछे की सीट खाली थी। मैं पहले सोचा, यार मेरे पास सामान ज़्यादा है, रहने देता हूँ। मगर फिर ना जाने क्यों उसकी मदद करने की सोच कर मैंने स्कूटर रोक लिया। वो मेरे पीछे आ कर बैठ गया।

रास्ते में बात करने लगे, 18-19 साल का वो लड़का पढ़ाई करता था और साथ में थोड़ा बहुत काम भी करता था मगर फिर भी घर की हालत ठीक नहीं थी। उसने मुझे भी ऑफर की कि वो मेरे लिए कोई भी काम करने को तैयार है। मैंने सोचा कि अगर इसको अपनी ऑर्डर बुकिंग पर लगा दूँ तो शायद इसका भी भला हो जाए और मुझे भी इस भाग दौड़ से कुछ राहत मिले।

मैं उसे अपने साथ अपनी दुकान पर ही ले आया और उससे बात की। लड़का बहुत ही शरीफ और ईमानदार लगा मुझे। मैंने उसे सारा काम समझाया और पैसे की बात कर ली। अंकित काम करने को राज़ी हो गया।

मैंने उसे अगले दिन अपने साथ लिया और किन किन लोगों से मैं सामान उठाता हूँ, उनसे मिलवाया। लड़का अच्छा था, कुछ ही दिनों में अच्छा काम सीख लिया। मगर एक बात जो और थी कि वो लड़का कुछ अजीब सा लगता था मुझे।

एक बार शाम को हम दोनों बैठे थे, मौसम बड़ा सुहावना सा था तो मैंने सोचा, आज एक दो पेग मारे जाएँ। मैं उस लड़के के साथ ऊपर छत पर गया। वहाँ मैंने अपनी छुपा कर रखी हुई विह्वस्की की बोतल निकाली। मैंने उससे पूछा तो उसने भी हाँ का नारा मारा। मतलब वो भी लगा लेता था।

दोनों ने दो दो पेग अंदर किए।

फिर मैंने उस से पूछ ही लिया- बाकी सब तो ठीक है, अंकित तू काम भी अच्छा करता है, पर एक न अजीब सी बात है तेरे में ... तू और लड़कों जैसा नहीं लगता, कुछ अलग सा लगता है।

अब वो भी मूड में था तो बोल दिया- अंकल, दरअसल मैं एक गे हूँ।

मैंने कहा- ओ तेरी माँ की चूत ... तू साले लौंडा है।

वो बोला- हां जी। दरअसल मैं तो बहुत दिनों से सोच रहा था कि आप मुझे पहचान नहीं रहे हो, फिर सोचा शायद आप एक शरीफ इंसान हो, जिसे सिर्फ अपने काम से काम है। इसलिए मैंने भी कोई गलत हरकत आप से नहीं की।

मैंने पूछा- तो अगर तू लौंडा है तो क्या करता है ?

वो बोला- एक पेग और मिलेगा ?

झट से मैंने दो पेग बनाए, उसने दो घूंट भरी और बोला- गांड मरवाता हूँ, मर्दों के लंड चूसता हूँ। और अगर कोई अपनी गांड मरवाना चाहे तो उसकी गांड भी मारता हूँ।

मैंने पूछा- तुझे अजीब नहीं लगता, मर्द होकर किसी दूसरे मर्द का लंड चूसना ?

वो बोला- औरतें भी चूसती हैं, जो मज़ा उनको आता है, वही मज़ा मुझे आता है। और जब मर्द किसी मर्द का लंड चूसता है न, तो उस जैसा मज़ा दुनिया की कोई औरत नहीं दे सकती। आपने भी अगर किसी औरत की गांड मारी हो और एक लौंडे की गांड मारी हो तो आप दोनों में ज़मीन आसमान का फर्क देखेंगे।

मैंने कहा- यार औरतों की बहुत की मारी है, मगर किसी लौंडे की नहीं मारी।

वो मेरी आँखों में देख कर बोला- मारोगे ?

मैंने एक हल्का सा मारा उसके सर पर- अबे साले, क्या बकवास कर रहा है ?

वो बोला- आपकी मर्जी, अगर गांड नहीं मारनी तो लंड ही चुसवा लीजिये।

ये तो साला पीछे ही पड़ गया था। मैंने भी सोचा, लंड चुसवाने में क्या बुराई है। मैंने कहा- अभी चूस लेगा ?

वो बोला- हाँ !

और बस वो आगे को आया और मेरे सामने घुटनों के बल बैठ गया। पहले मेरी सलवार के ऊपर से ही मेरी जांघों को सहलाने लगा- ओह, क्या मस्त जांघें हैं आपकी।

और फिर हाथ आगे को बढ़ाता बढ़ाता मेरे लंड को पकड़ कर बोला- उम्ह ... मज़ेदार !

और उसने सलवार के ऊपर से ही मेरे लंड को सहलाया।

मुझे भी मज़ा आया। जब थोड़ा सा लंड को सहला लिया तो मेरी सलवार का नाड़ा खोला और नेफा ढीला करके उसने मेरी सलवार खोल दी। अब सलवार के नीचे मैं चड्डी नहीं पहनता। तो नीचे से तो मैं नंगा ही था। उसने मेरे लंड को हाथ में पकड़ा, सहलाया, मेरे आँड भी सहलाए ; मेरी जांघों से आस आस भी सहलाया और फिर नीचे झुक कर मेरे लंड के टोपे को चूमा।

पहली बार किसी मर्द ने मेरे लंड को चूमा था, बड़ी अजीब सी फीलिंग हुई। मगर एक दो बार चूमने के बाद उसने मेरा लंड अपने मुंह में ले लिया और लगा चूसने।

और क्या लज्जत से चूसा उसने ... सच में आज तक लंड चुसवाने का ऐसा मज़ा मुझे नहीं मिला था। एक से एक हसीन औरतों से मैंने अपना लंड चुसवाया था मगर यह तो अहसास ही अलग था। इसके लंड चूसने का अंदाज़ ऐसा था, जैसे वो मेरे लंड को खा जाना चाहता

है, निगल जाना चाहता है। अपने गले के इतने अंदर तक तो कोई भी मेरा लंड नहीं लेकर गया, जितना ये उसे चूस रहा था।

मैंने उसका मुंह पकड़ा और अपनी कमर चलाने लगा। अरे वाह, क्या मज़ा आया। आज पहली बार मैंने किसी का हलक चोदा गले के अंदर तक अपना लंड डाल कर चुदाई की, न साले की सांस रुकी, न उसको उबकाई आई। पता नहीं कैसे वो मेरे लंड को चूसता रहा अपने गले से। बहुत ही ज्यादा मजेदार काम था ये तो ; ऐसे लग रहा था जैसे मैं किसी की फुद्दी ही मार रहा हूँ, मगर फुद्दी थोड़ी अलग किस्म की थी।

नया नया तज़ुरबा था तो मैं भी काफी जोश में था और ज़ोर ज़ोर से चोद कर मैंने अपना माल उसके गले में ही गिराया। सारे का सारा माल वो पी गया और उसके बाद भी मेरे लंड को कितनी देर तक चाटता रहा। आखरी बूंद तक वो चाट गया, खा गया।

मुझे मज़ा आया, उसने पूछा- पीछे नहीं करोगे ?

मैंने कहा- आज नहीं, कल करूंगा.

अगले दिन उसी समय शाम को हम दोनों ने फिर महफिल जमाई और पहले पेग शोग चले, उसके बाद उसको बनाया घोड़ी। मैंने भी बिना थूक लगाए उसकी गांड में लंड पेला। एक बार तो चीख निकल गई उसकी- हाय माँ।

मैंने कहा- चिंता मत कर बेटा, तेरी माँ ही चोदनी है अब।

और उसके बाद थूक लगा लगा कर मैंने उसको खूब पेला। कल की की कसर आज निकाली। मज़ा आ गया साले की गांड मार कर।

उसके बाद तो अक्सर ये सब होने लगा। बीवी की तो सिर्फ फुद्दी मारता क्योंकि औरत का मज़ा औरत ही देती है। पर जिस दिन गांड मारने का या लंड चुसवाने का मन होता तो मैं उसके पास जाता।

6 महीने निकल गए। हमारा काम काज और काम वासना दोनों अच्छे से चल रहे थे।

एक दिन किसी काम से मुझे उसके घर जाना पड़ा। घर में वो तो नहीं मिला मगर उसकी माँ मिली। मैं तो एक बार उसको देख कर सकते में आ गया। क्या बला का जिस्म था उसका। सुंदर, छरहरी, गोरी। मेरा तो लंड गनगना गया। दिल तो किया इस से पूछ लूँ,- देगी क्या ?

मगर मैंने सोचा अगर इसकी लेनी है तो इसे अपने जाल में फंसाना पड़ेगा।

क्योंकि अब तो वो इतना खुल चुका था कि मैं उसे ब्रा पेंटी पहना कर, औरतों वाले कपड़े पहना कर चोदता था। अब मैं भी उस से प्यार करने लगा था और अब तो हम बिल्कुल मियां बीवी की तरह एक दूसरे के होंठ चूसते थे। वो तो मेरा लंड चूसता ही था, मैं भी उसका लंड चूस लेता था। जहां मैं अपना माल उसकी गांड या मुंह में गिराता, वो अपना माल हाथ से मुट्ठ मार कर गिराता था। बल्कि एक दो बार तो मैंने उसके लिए औरत का भी इंतजाम कर दिया, और उसने चोदी ; भी मगर ज्यादा मजा उसे गांड मरवा के आता था।

अगली बार जब मैंने अंकित के साथ सेक्स किया तो सेक्स करते करते मैंने उस से कहा- यार अंकित एक बात करनी है तुझ से ?

वो बोला- बोलो मेरे स्वामी ?

मैंने कहा- उस दिन तेरे घर गया, तो तेरी माँ को देखा, बुरा मत मानना यार, पर दिल आ गया तेरी माँ पर। बहुत दिल कर रहा है उसकी चूत मारने को।

वो बोला- मेरी माँ है ही इतनी सुंदर, किसी का भी दिल आ सकता है।

मैंने कहा- तो क्या कोई सूरत बनती है कि तेरी जगह यहाँ मेरे नीचे तेरी माँ आ सके।

वो बोला- बन तो सकती है, मगर उसके लिए आपको मम्मी को पटाना पड़ेगा।

मैंने कहा- तो तू मेरी मदद कर न यार।



वो बोला- हमारे मकान मालिक ने हमें मकान खाली करने को कहा है, आपके पास घर का ऊपर का हिस्सा खाली पड़ा है। अगर आप वो हमें दे दो, तो मम्मी यहीं आ जाएंगी और आपका काम आसान हो जाएगा।

मैंने पूछा- और तेरा बाप ?

वो बोला- पापा और मम्मी बनती नहीं है, वैसे भी पापा में दम नहीं है इतनी सुंदर औरत को संतुष्ट करने का। अगर आपसे मम्मी की सेटिंग हो गई, तो सारी उम्र मम्मी आपकी रखैल बनके रहेगी।

मैंने पूछा- वो कैसे।

वो बोला- मुझे पता है मम्मी बहुत प्यासी है, पापा तो दो मिनट भी नहीं लगाते, मैंने अपनी माँ को कई बार गाजर मूली लेते देखा है। उसे कोई जानदार मर्द चाहिए, जो आप हो!

तो मैंने तो उसे तभी कह दिया- जा कल को अपना सामान उठा ला।

अगले दो दिन में ही अंकित अपने घर का सारा सामान लेकर आया और हमारे घर के ऊपर वाले दोनों कमरे में किरायेदार बन कर रहने लगा। अब तो संगीता से रोज़ ही मुलाकात होने लगी। पहले पहले तो वो बहुत शर्माती सी थी। मगर बाद में हमारी ही दुकान से खरीदारी करने लगी। कुछ ही दिन में मुझे उसके ब्रा पेंटी सब का साइज़ पता चल गया। मैं उसको सारा सामान अपने खरीद मूल्य पर ही देता था, तो उसे हर चीज़ बहुत सस्ती मिलती थी। मेरी बीवी से भी वो अच्छी सहेली बन गई।

बेशक इस काम में करीब 2-3 महीने लग गए मगर संगीता को पटाने की मैंने हर तरफ से कोशिश जारी रखी। मैं उसको बड़े प्यार से देखता था, अंकित भी उसके सामने मेरी तारीफ़ें करता और मेरी बीवी से जब उसकी बातचीत खुल गई तो वो भी कभी कभी उसको रात की बात बताती।

इतना मुझे पता था कि अगर ये अंदर अंदर सुलग रही है तो ज्यादा समय नहीं लगेगा, इसको मेरी गोद में गिरने को। ये ज़रूर है कि एक दो बार मुझे उसकी साड़ी का पल्लू गिरने से उसके गोरे मम्मे देखने का मौका मिला, अब पल्लू अचानक गिरा या, जान बूझ कर उसने गिराया, मगर उसकी उठी हुई छातियाँ देख मेरे सीने पर साँप लोट गए। उस दिन जब मैंने अंकित की गांड मारी तो मैं हर बार संगीता का ही नाम लिया।

अंकित ने भी कहा- अंकल आप तो मम्मी के दीवाने हो गए।

मैंने कहा- तो मादरचोद बोल न अपनी माँ को ; कि मुझसे चुदवा ले।

अंकित बोला- अंकल बस कुछ ही दिन बात है, मम्मी आपकी गोद में आई कि आई।

कुछ दिन बाद ही उसने मेरी बीवी से बात की ; वो एक प्लॉट लेने की सोच रहे थे और उन्हें तीन लाख रुपये कम पड़ रहे थे।

मैंने यही मौका सही समझा और मौका देख कर उससे बात की ; मैंने उससे साफ कहा- देखो, तुम्हारे पति की आमदन ठीक ठाक है, तुम्हारा बेटा जो कमाता है, मुझे पता है। तीन लाख रुपये तुम वापिस कैसे करोगी ?

वो बोली- देखेंगे जी, कुछ तो करेंगे।

मैंने पूछा- क्या करोगी ?

वो बोली- आप तो जानते ही हैं, हमारे पास कुछ नहीं है, बड़ी मुश्किल से ये प्लॉट का जुगाड़ बना है, अगर प्लॉट होगा तो कभी न कभी मकान भी बना लेंगे।

मैंने कहा- पहले प्लॉट के कर्जे की किश्तें भरती रहो, फिर मकान की, सारी ज़िंदगी यूँ ही निकल जाएगी।

वो बोली- अब आप ही बताएं, मैं क्या करूँ ?

मैंने मौका देख कर कहा- अगर तुम चाहो तो मैं ये पैसे तुम्हें माफ कर सकता हूँ !

उसने मेरी आँखों में देखा, जैसे समझ गई हो कि मैं क्या कहने वाला हूँ ; फिर भी उसने

पूछा- वो कैसे ?

मैंने कहा- अगर तुम मेरी बन कर रहो।

वो बोली- मगर आपकी अपनी बीवी इतनी सुंदर है।

मैंने कहा- मगर मुझे तुम भी बहुत सुंदर लगती हो, और मुझे तुम चाहिए। किसी भी कीमत पर।

वो सर झुका कर खड़ी रही।

मैं सोचने लगा अब क्या करूँ, आगे बढ़ूँ या नहीं। मगर कुछ न कुछ तो मुझे करना ही था ताकि पता लग सके कि वो क्या चाहती है। मैंने आगे बढ़ कर उसके कंधे पर हाथ रखा और बोला- तुम किसी बात की चिंता मत करना, ये घर भी तुम्हारा है, जब तक चाहो इस घर में रहो। प्लॉट भी हम ले लेंगे। तुम अब अपनी सारी चिंता मुझे दे दो.

कह कर मैंने उसको अपनी बांहों में लिया और वो भी मेरे से लिपट गई, सिसकने लगी।

मैंने उसके सर पर हाथ फेरा उसे चुप कराया मगर अगर एक हाथ सर पर फेरा तो दूसरा हाथ पीठ से फेरता हुआ उसकी कमर पर रुका और कमर को सहलाने लगा। वो चुप हो गई तो मैंने उसका चेहरा अपने हाथों में पकड़ा और अपनी यारी पक्की करने के लिए मैंने उसके होंठों को चूम लिया। उसने कोई विरोध नहीं किया, बिल्कुल शांत कि 'कर लो जो करना है।' मैंने उसको कई बार चूमा और और फिर घुमा कर उसकी पीठ अपनी तरफ करी।

फिर पीछे से उसे बांहों में लिया, एक हाथ उसके नर्म पेट पर रखा दूसरा उसके सीने को सहलाता हुआ ऊपर लाकर उसकी टुड्डी पकड़ी और अपनी तरफ घुमाई, फिर होंठों से होंठ मिले तो उसने भी अपनी बांहें पीछे को घुमा कर मेरे गले में डाल दी। अब मेरे दोनों हाथ आजाद थे तो मैंने उसके दोनों मम्मे उसके ब्लाउज़ के ऊपर से ही पकड़े, दबाये, और फिर एक एक करके उसके ब्लाउज़ के हुक खोले। ब्लाउज़ खोल कर मैंने उसका ब्रा ऊपर उठा कर दोनों मुलायम मम्मे बाहर निकले और अपने हाथों में पकड़ लिए।

होंटों से होंठ अब भी मिले हुये थे, मैं उसके तो वो मेरे होंठ चूस रही थी। फिर एक हाथ मैंने नीचे लेजा कर उसकी साड़ी में घुसेड़ दिया और सीधा जाकर उसकी फुद्दी का दाना मसल दिया। वो एकदम से पीछे को हटी तो मेरा अकड़ा हुआ लंड उसकी गांड से जा लगा। मैंने भी पीछे से अपना पूरा लंड उसकी गांड से सटा दिया। उसने भी अपना एक नीचे किया और सलवार के ऊपर से ही मेरा लंड पकड़ लिया।

अब तो कुछ और कहने को नहीं रह गया था। मैंने उसे बेड पर धकेल दिया, अपनी सलवार खोली, कुर्ता उतारा, उसकी साड़ी ऊपर उठा कर उसकी गोरी गांड नंगी की और उसको उसके ही बेड पर घोड़ी बना दिया।

बिना कोई और देर किए मैंने अपना लंड उसकी फुद्दी में घुसा दिया।

“आह ...” क्या आनंद मिलता है पराई औरत की भोंसड़ी मार कर!

अगले 20 मिनट मैंने संगीता को जम कर पेला, इस बीच वो दो बार तड़पी, दो बार उसकी फुद्दी से मैंने पानी की धार छूटते देखा। फिर जब मैंने अपने गर्म माल की धार उसकी पीठ पर गिराई तो वो निढाल होकर नीचे बेड पर ही गिर गई, मैं भी साथ में ही लेट गया।

कुछ देर आराम करने के बाद मैं उठा और अपने कपड़े पहनने लगा। जब मैं उठ कर जाने लगा तो वो एकदम उठ कर आई और आ कर मेरे पैरों में बैठ गई।

मैंने पूछा- क्या हुआ ?

वो बोली- आज मेरी सुहागरात थी। इतना आनंद तो मैंने आज तक नहीं लिया था।

उसने मेरे पैरों को छूकर अपने माथे से लगाया।

मैंने कहा- मेरी जान मेरी बन के रहना, ऐसा आनंद तो मैं तुम्हें सारी उम्र दूंगा।

मैंने उसको उठाया और उसके होंटों को एक बार फिर से चूमा और बाहर आ गया।

बाहर आते ही मुझे अंकित मिला, बोला- हैलो डैडी।

मैंने मुस्कुरा कर उसका गाल थपथपाया ।

आज 5 साल हो गए हैं अंकित और उसकी मम्मी दोनों को अभी तक मैं चोद रहा हूँ । और अब तो वो हमारे घर का परिवार का ही हिस्सा बन गए हैं । मेरी बीवी को पता है कि मैंने संगीता की मारी हुई है, मगर अंकित के बारे में वो नहीं जानती ।

खैर ... कुछ न समझे खुदा करे कोई !

rasoolkhan5251@gmail.com

## Other stories you may be interested in

### पड़ोसन भाभी की मस्त चिकनी चुत की चुदाई

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम सुनील गुप्ता है. मैं अन्तर्वासना पर प्रकाशित सेक्स कहानियों को काफी दिनों से पढ़ रहा हूँ. मुझे इधर लेखकों की आपबीती पढ़ कर लगता है कि ये एक ऐसा पटल है, जिसमें हर कोई अपनी बात [...]

[Full Story >>>](#)

### देवर भाभी सेक्स की प्रेम कहानी

मेरा नाम अदिति है, मेरी उम्र 28 साल है. मैं एक हाउसवाइफ हूँ. मैं दिल्ली में रहती हूँ. मेरे बूब्स 32 साइज के हैं और मेरे हिप्स 36 है. मेरा रंग गोरा है मैंने आपको अपने बारे में सब बता [...]

[Full Story >>>](#)

### गर्लफ्रेंड की गांड की पहली चुदाई

मेरे प्रिय पाठको, आप सभी कैसे हो ? ऊपर वाला आप सभी को अच्छा रखे. मेरा तो नाम आप सभी जानते ही हो, जो नहीं जानते हैं, उनको मैं बता दूँ कि मेरा नाम शुभम है, मैं उत्तर प्रदेश के नोएडा [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरी पहली चुदाई पड़ोस की भाभी के संग-2

मेरी इस सेक्स कहानी के पहले भाग मेरी पहली चुदाई पड़ोस की भाभी के संग-1 में आपने पढ़ा कि मेरी पड़ोसन मिताली भाभी का दिल मेरे ऊपर आ गया था और भाभी मुझसे चुदाई करने के लिए उतावली हो रही [...]

[Full Story >>>](#)

### भाभी ने मुझे दुल्हन बना कर चुदवाया

मेरा नाम आर्यन मल्होत्रा है, मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ. आज जो मैं कहानी सुनाने जा रहा हूँ, यह एक वास्तविक सेक्स कहानी है और यह कहानी तब की है, जब मैं 19 साल का था और मेरे व [...]

[Full Story >>>](#)

